सावन की बरसे बदरिया

सावन की बरसे बदरिया, माँ की भीगी चुनरिया ॥
भीगी चुनरिया माँ की, भीगी चुनरिया ॥
सावन की बरसे बदरिया,,,,,,,,,,,,,,,

लाल चोला मईया का, चम चम चमके
माथे की बिंदिया भी, दम दम दमके ॥
हाथों में झलके मुंदरिया, माँ की भीगी चुनरिया,
सावन की बरसे बदरिया,,,,,,,,,,,,,,,

छाई हरियाली झूमे, अम्बुआ की डाली
हो के मतवाली कुके, कोयलिया काली ॥
बादल में कड़के बिजूरिया, माँ की भीगी चुनरिया,
सावन की बरसे बदरिया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

उँचा भवन तेरा, उँचा है डेरा
कैसे चढ़ूँ पावों, फिसले है मेरा ॥
टेढ़ी-मेढ़ी है डगरिया, माँ की भीगी चुनरिया,
सावन की बरसे बदरिया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

काली घटा पानी, भर भर के लाई
झूला झूले, वैष्णो माई ॥
चँचल पे माँ की नज़रिया, माँ की भीगी चुनरिया,
सावन की बरसे बदरिया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर-अनिल रामूर्ति भोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10909/title/sawan-ki-barse-badariyan-maa-ki-bhigi-chunariyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |